ग्रामीण महिलाओं में आर्थिक सुदृढ़ता

डॉ0 ऊषा किरण

महिलाशक्तिकरण के विभिन्न आयामों में एक महत्वपूर्ण आयाम है। महिलाओं की आर्थिक सुदृढ़ता। महिलाओं की आत्मनिर्भरता के बिना महिला सशक्तिकरण की कल्पना नहीं की जा सकती है। समाज आज की महिलाओं को उनका हक देने में कोताही करता दिखता है विभिन्न सरकारी योजनाओं में महिलाओं को लाभ पहुँचाने का भरसक प्रयास किया जाता है किन्तु उन्हें अमल में नहीं लाया जाता है। सरकारी योजनाओं और कुछ महिला संगठनों ने अपने स्तर पर महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रसास किया जिससे महिलाओं में आत्म विश्वास बढ़ा है।

अति पिछड़े ग्रामीण समाज की महिलाएँ जो कभी घुंघट से बाहर नहीं निकलती थी अब वे गाँव–गाँव में खुल गए बैंको की उपशाखाओं में स्वयं ही बैंको के खातों का संचालन करती दिख रही हैं। वे सरकारी योजनओं का लाभ लेने में दो कदम आगे दिख रही है। स्वर्ण जयंती रोजगार योजना के तहत आँकड़े दर्शाते हैं कि लगभग साढ़े सात हजार ऐसी महिलाएँ आत्मनिर्भर बनी हैं जिन्हें दो जून की रोटी के लिए भी तरसना पड़ता था। यह एक साकारात्मक बदलाव आया है ग्रामीण महिलाओं में।